अठारह सिक्कों की बत्तख

सैली एम. वाकर

चित्र: एलेन बेयर

अंग्रेज आ रहे हैं!

1778 का साल है और लेटी राइट के परिवार के फार्म के आसपास की पहाड़ियों में अमेरिकी स्वतंत्रता के लिए युद्ध छिड़ा हुआ है. राइट्स को अपना सब कुछ छोड़कर भागना है - जिसमें लेटी का बत्तखों का झुंड और उसका दोस्त सोलोमन – एक नर बत्तख भी शामिल है. लेटी को उम्मीद है कि सैनिक उसके बत्तख को बख्श देंगे, लेकिन सैनिक अपनी दयालुता के लिए नहीं जाने जाते हैं. क्या सोलोमन के लिए कोई आशा है?

एक सच्ची घटना पर आधारित, सैली एम. वॉकर की क्रांतिकारी अमेरिका की उल्लेखनीय कहानी उन लोगों पर युद्ध के प्रभाव को दर्शाती है जिनकी जमीन पर यह युद्ध लड़ा गया था. एलेन बेयर के सुन्दर चित्रों के साथ, युद्ध की यह कहानी सभी पाठकों के दिमाग में बनी रहेगी.

अठारह सिक्कों की बत्तख

सैली एम. वाकर
चित्र: एलेन बेयर

विषयवस्तु

अध्याय एक: भागो और छिपो

यह 1778 का वसंत था.

लेटी राइट खलिहान के पार भागी.

ब्रिटिश सैनिक अब केवल एक या दो मील की दूरी पर ही थे.

वे लेटी के घर की ओर बढ़ रहे थे.

लेटी के परिवार को जल्दी से
निकलकर पहाड़ के पार जाना था
जहां वे सुरक्षित रहेंगे.
पर पहले,
लेटी को अपने बत्तखों के झुंड को
चेतावनी देनी थी.

"चलो, सोलोमन, मूर्ख बत्तख!
अपनी पत्नियों को ले जाओ
और जाकर कहीं छिप जाओ!"
लेटी ने अपनी बाहें इधर-उधर लहराईं.
"जल्दी करो, लेटी!" माँ ने बुलाया.

माँ जाने को तैयार थीं.

उन्होंने छोटी बच्ची सारा को, पापा को सौंप दिया.

लेटी के भाई, जॉन ने

वैगन के किनारे से झाँका.

वो अपना अंगूठा चूस रहा था.

वो ऐसा तभी करता था जब उसे डर लगता था.

लेटी के पैर काँप रहे थे.

उसका पेट दर्द कर रहा था.

वो राइफलों की गोलीबारी सुन सकती थी.

अंग्रेज़ करीब आ रहे थे.

"कृपया, सोलोमन," लेटी ने कहा,

"इससे पहले कि सैनिक यहाँ आएं तुम्हें छिप जाना चाहिए.

जंगल में छिप जाओ जहां वे तुम्हें नहीं देख पाएं!

ये मामला सिर्फ कुछ दिनों तक चलेगा.

फिर हमारे सैनिक आएंगे और अंग्रेजों को खदेड़ देंगे.

फिर तुम घर वापिस आ जाना."

सोलोमन ने लेटी को देखकर आवाज़ की.

उसने अपने पंख फड़फड़ाए और आँगन में दौड़ गया.

लेकिन वो छिपा नहीं.

"लेटी, वैगन में बैठो.

अब हमें जाना होगा.

सोलोमन को अपना ख्याल रखने दो," माँ ने कहा.

"थोड़ी प्रतीक्षा करें!" लेटी ने विनती की.

लेटी को पता था कि सैनिक चीज़ें चुराते थे और भोजन के लिए फार्म के जानवरों को ले जाते थे.

उसे सोलोमन और अपनी अन्य बत्तखों को बचाना था.

लेटी घर में भाग गई.

उसने कागज की एक शीट और एक कलम उठाई और लिखा:

प्रिय सैनिकों,

कृपया मेरी बतखों को नुकसान न पहुँचाएँ.

सोलोमन, नर बत्तख, मेरा दोस्त है.

मैंने उसे छोटे बच्चे से बड़ा किया है.

उसे पता है कि तुम लोग आ रहे हो,

परन्तु वह भागकर छिपेगा नहीं.

धन्यवाद,

लेटी राइट, उम्र 8.

लेटी ने पत्र को मेज़ पर रख दिया.

शायद सैनिक उसका नोट पढ़ें.

हो सकता है, इस बात की सम्भावना है,

वे उसकी बत्तख को चोट न पहुँचाएँ.

लेटी बाहर भागी.

पापा ने उसे वैगन में खींच लिया.

सड़क के मोड़ पर,

लेटी ने पीछे मुड़कर देखा.

उसे डर था कि वो सोलोमन को

फिर दुबारा नहीं देख पाएगी.
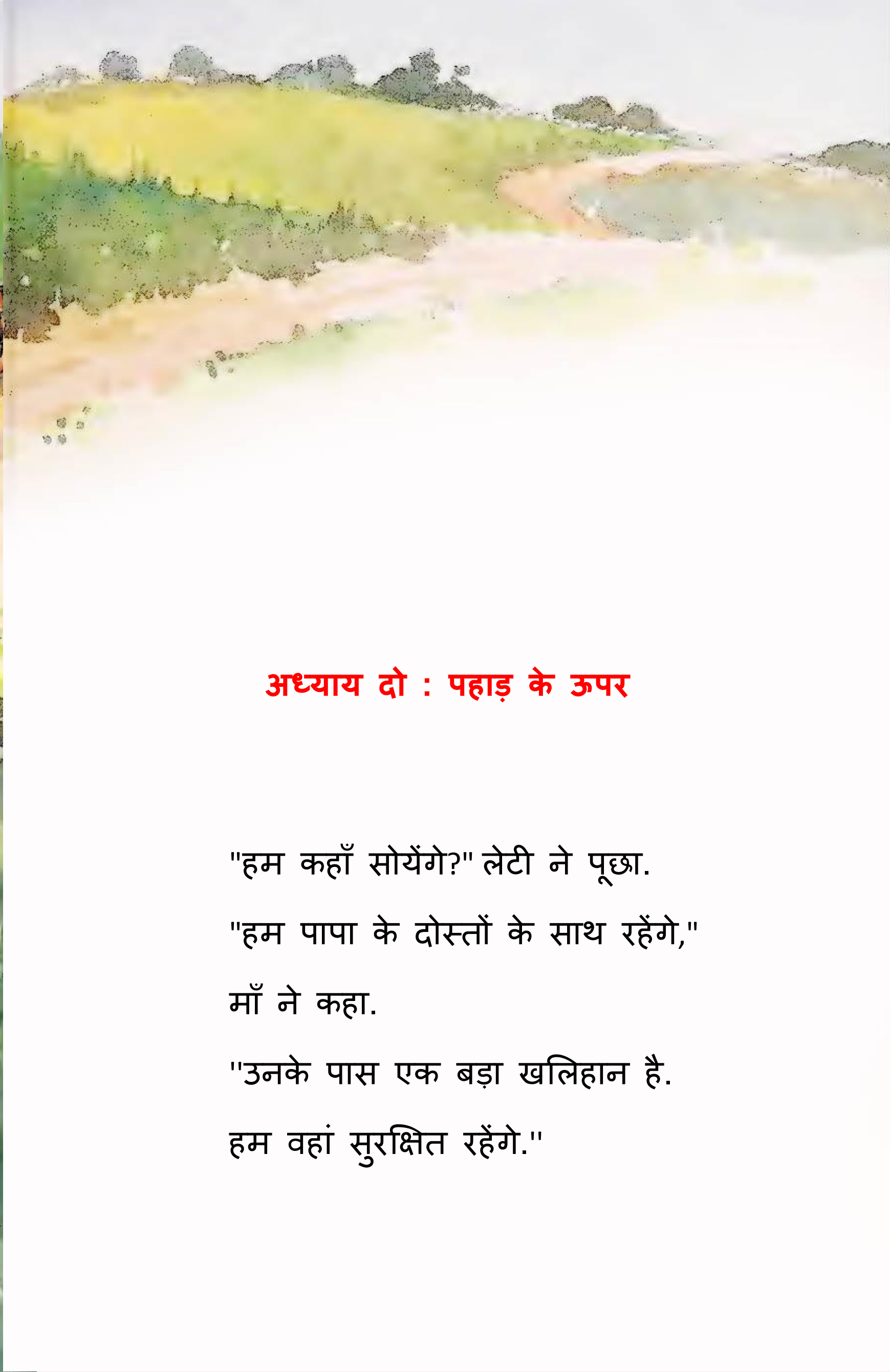
अध्याय दो : पहाड़ के ऊपर

"हम कहाँ सोयेंगे?" लेटी ने पूछा.

"हम पापा के दोस्तों के साथ रहेंगे,"

माँ ने कहा.

"उनके पास एक बड़ा खलिहान है.

हम वहां सुरक्षित रहेंगे."

बग्घी के पीछे दो गायें बंधी हुई थीं.

वे लगातार मिमिया रहीं थीं.

जॉन ने कहा, "धूल, गायों की आंखों को तकलीफ दे रही है."

"मेरी आँखों में भी दर्द हो रहा है," लेटी ने कहा.

उसने आँसू पोंछे और पापा की ओर देखा.

"क्या सैनिक हमारा घर जला देंगे?" लेटी ने पूछा.

"क्या वे सोलोमन को ले जायेंगे?

और सारी मादा बत्तखों को भी?"

"मुझे आशा है कि ऐसा नहीं होगा," पापा ने कहा.

उनका चेहरा गंभीर था.

"मैंने सैनिकों को एक पत्र लिखा है.

मैंने उनसे कहा कि वे मेरी बत्तखों को

चोट न पहुँचाएँ,“ लेटी ने कहा.
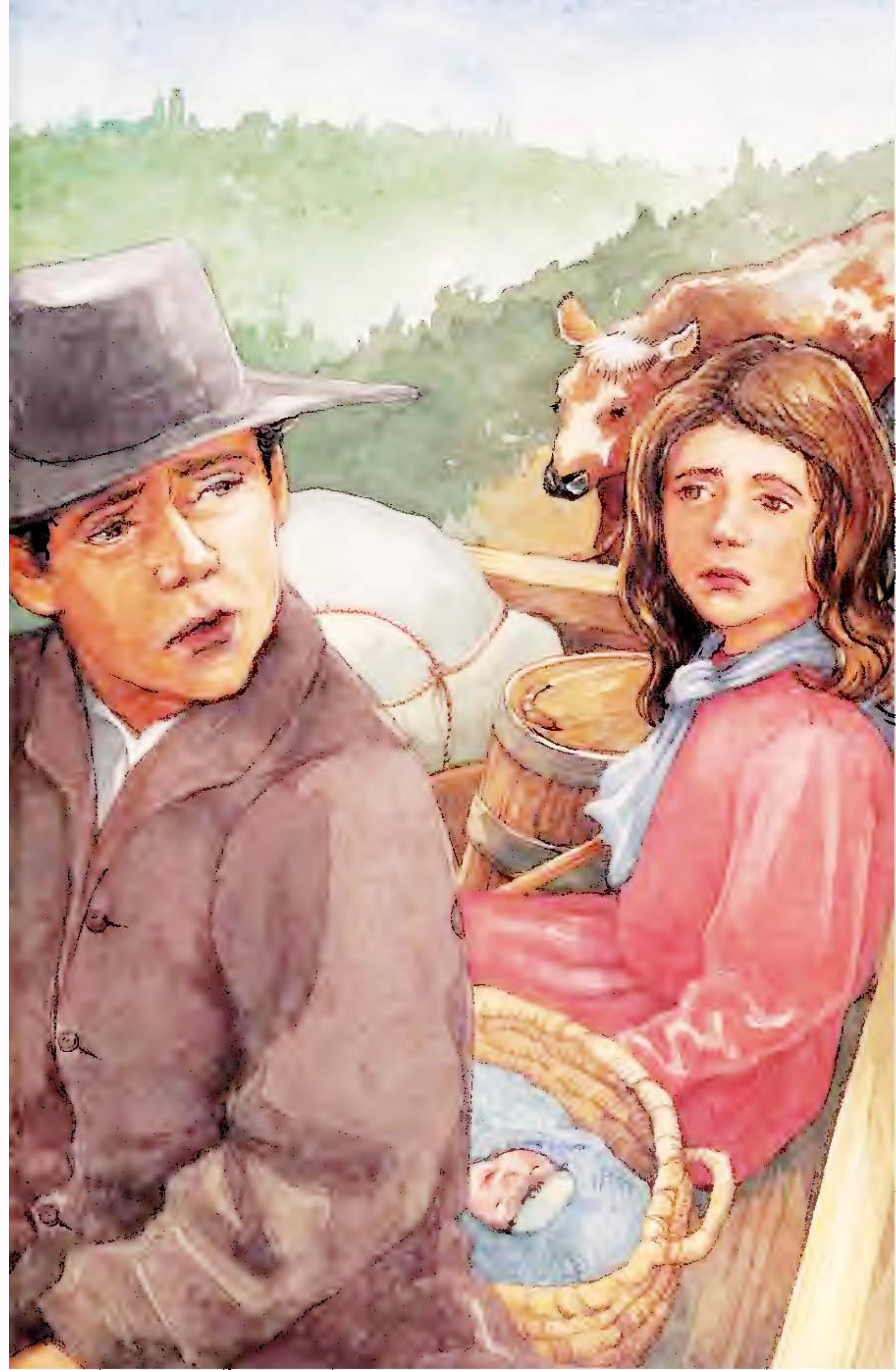
पापा ने सिर हिलाया.

"मैं तुमसे झूठ नहीं बोलूंगा, लेटी.

लेकिन, यदि सैनिक भूखे होंगे,

तो वे तुम्हारी बत्तखों को ले जाएंगे,“

पापा ने कहा.

लेटी ने अपनी आँखें कसकर बंद कर लीं

और कुछ नहीं कहा.

माँ ने लेटी का हाथ पकड़ लिया.

राइट्स की वैगन चैपमैन्स के घर के सामने से गुजरी.

चैपमैन के घोड़े पहले ही चले गये थे.

लेटी की दोस्त जेमिमा और उसका परिवार पहले ही जा चुका था.

लेटी को ख़ुशी थी कि ब्रिटिश सैनिकों को चैपमैन के घोड़े नहीं मिलेंगे.

वो खुश थी कि पापा ने उनकी गायों को वैगन के पीछे बाँध दिया था.

वो चाहती थी कि उसे सोलोमन और मादा बत्तखों को पकड़ने का समय मिलता.

जब वे पहाड़ की चोटी पर पहुँचे,

तो लेटी ने नीचे देखा.

वो बंदूकें सुन सकती थी.

उसे धुआं दिख रहा था.

वो अपना घर नहीं देख पाई.

वो सोलोमन को भी नहीं देख पाई.
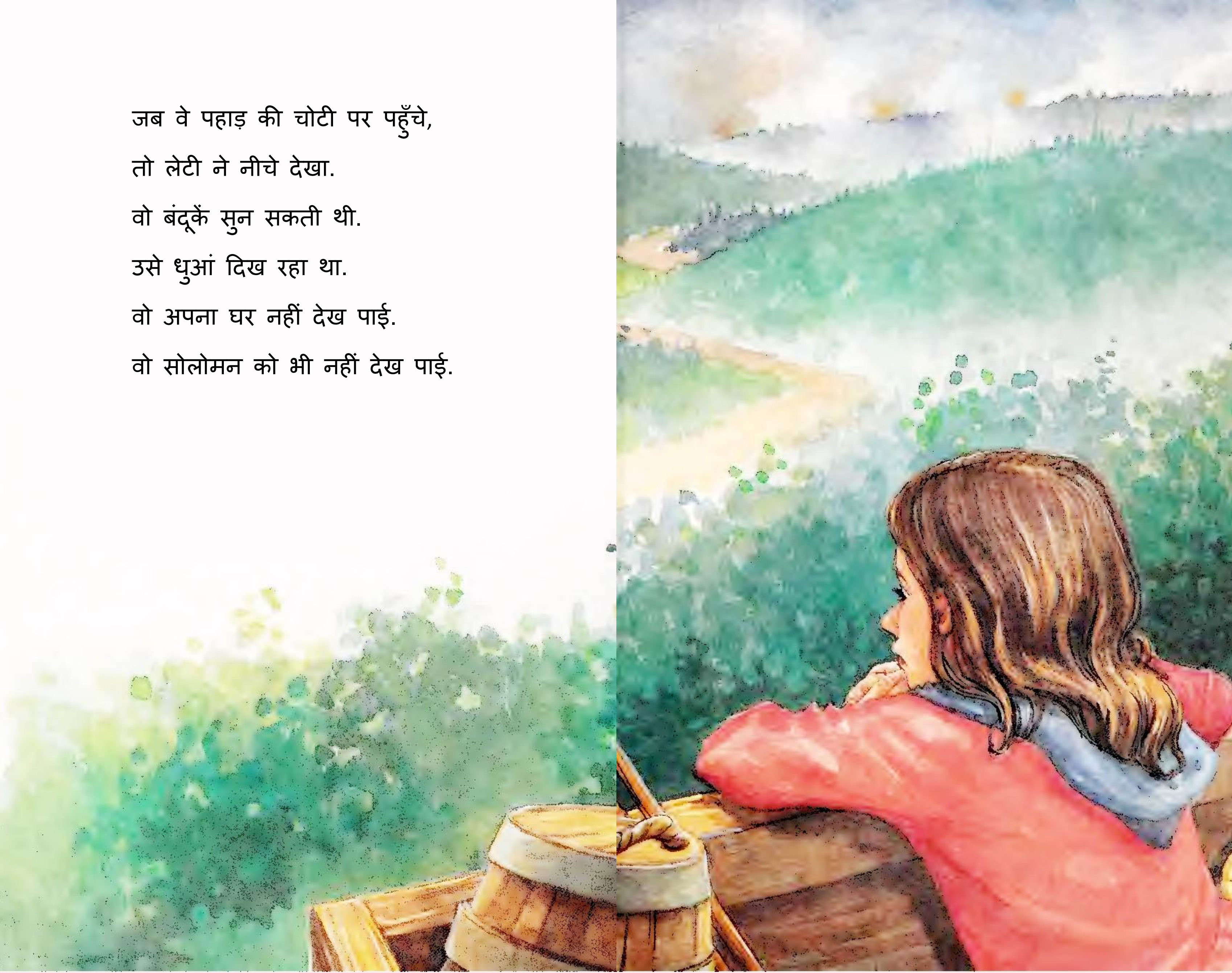
अध्याय तीन : इंतज़ार में

लेटी और उसका परिवार तीन दिनों तक पापा के दोस्तों के साथ रहे.

जेमिमा का परिवार भी वहां पर था.

दिन के दौरान,

लेटी ने अपने परिवार की गायों का दूध दुहा.

उसने फार्म में रहने वाली मुर्गियों को खाना खिलाया,

परन्तु वे सोलोमन और उसकी मादा बत्तखों के समान दोस्ताना नहीं थे.

रात में,

सभी लोग खलिहान में सोये.

हर शाम,

लेटी ने पहले सितारे से मिन्नत मांगी.

वो चाहती थी कि उसका घर सुरक्षित रहे.

वो चाहती थी कि सोलोमन सुरक्षित रहे.

हर कोई ब्रिटिश सैनिकों के
बारे में बात करता रहा.

जेमिमा ने कहा,

"मेरे पिता ने कहा कि ब्रिटिश सैनिकों को
पता था कि मादा बत्तख बीमार थी.

फिर भी उन्होंने उसका पंख वाला बिस्तर
चुरा लिया, क्योंकि वे सोने के लिए एक
मुलायम जगह चाहते थे!"

पंखों वाले बिस्तरों के बारे में सोचकर लेटी
उदास हो गई.

दुष्ट सैनिकों के बारे में सुनकर उसे और भी
बुरा लगा.

सैनिक उसके पत्र पर हँसेंगे

और रात के खाने में वे सोलोमन को खा
डालेंगे.

तीसरे दिन,

एक अमेरिकी सैनिक घर आया.

'हमारे जवानों ने अंग्रेजों को खदेड़ दिया है.

वे वापस नहीं आएंगे. आप अपने घर वापिस जा सकते हैं," सैनिक ने कहा.

पापा ने वैगन लोड की.

जेमिमा ने लेटी को गले लगाया.

जेमिमा ने कहा, "मुझे उम्मीद है कि सोलोमन ठीक होगा."

"जितनी जल्दी हो सके

घर आना और मुझसे आकर मिलना,"

लेटी ने कहा.

पापा ने लेटी की वैगन में चढ़ने में मदद की.

लेटी और उसका परिवार घर चले.

अध्याय चार : फिर से घर

राइट्स का वैगन चैपमैन्स के घर के सामने से गुजरा.

लेटी ने कहा, "सैनिकों ने जेमिमा का घर नहीं जलाया."

"चैपमैन भाग्यशाली रहे," पापा ने कहा.

उन्होंने घोड़े को आवाज़ से इशारा दिया.

फिर वैगन के पहिये तेजी से घूमने लगे.

"मुझे आशा है कि हम भाग्यशाली रहेंगे,“ माँ ने कहा.

लेटी ने अपनी उँगलियाँ क्रॉस कर लीं.

जल्द ही वे अपने घर के मोड़ के पास पहुंचे.

"भगवान का शुक्र है," माँ ने कहा.

हमारा घर जला नहीं है.

लेकिन बाड़ टूट गई थी, और माँ का बगीचा किसी ने रौंद डाला था.

सबसे बुरी बात यह थी कि सभी बत्तखेँ चली गईं थीं! "सोलोमन..."

लेटी रोने लगी.

राइट्स घर के अंदर गए.

जब उसने अंदर कदम रखा तो माँ रो पड़ी.

उनका चरखा टूटा पड़ा था.

फर्श पर टूटे हुए बर्तन बिखरे थे.

सैनिकों ने धातु की कीलें ठोंक दी थीं

और अलाव पर उन्होंने भोजन भूना था.

"देखो," पापा ने कहा.

उन्होंने ताक पर से कुछ उठाया.

"लेटी तुम्हारे लिए एक पत्र है

वो ब्रिटिश सैनिकों की ओर से."

लेट्टी ने पत्र पढ़ा:

प्रिय मालकिन राइट,

हमें आपको शुभ रात्रि कहना चाहिए,

यह हमारे लिए भटकने का समय है.

हमने आपकी बत्तखों के लिए पैसे दिए हैं,

प्रति बत्तख एक पैसा, और हम वो चिल्लर

नर बत्तख के पास छोड़ गए हैं."
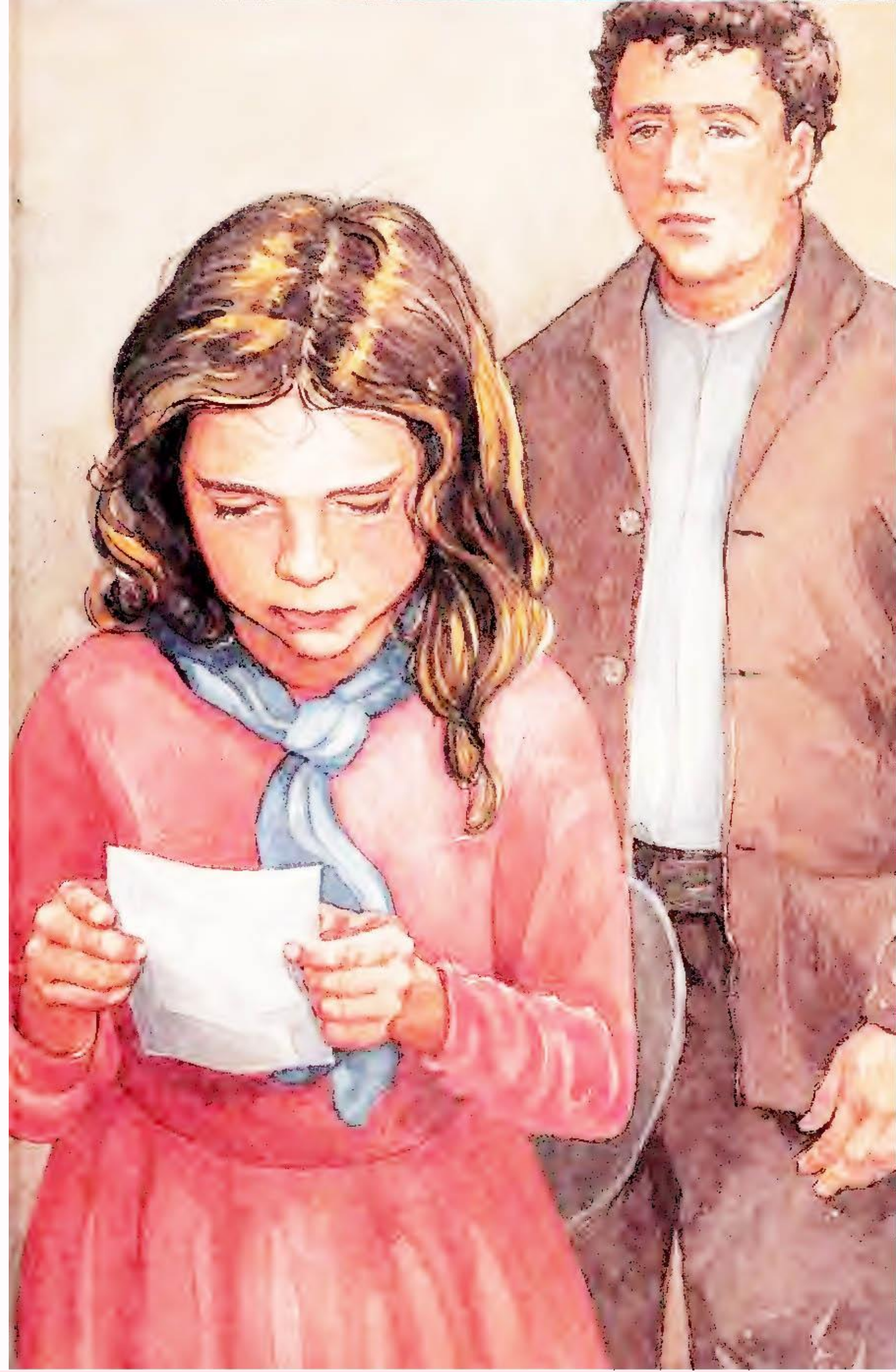
लेटी ने पत्र छोड़ा और वो बाहर भागी.

"सोलोमान... सोलोमान,

तुम कहाँ हो?" लेटी चिल्लाई.

"हॉक! हॉक!"

सोलोमान खलिहान से बाहर निकला.

उसके गले में एक फंदे से एक थैली लटकी हुई थी.

"ओह, सोलोमान," लेटी चिल्लाई.

"तुम सुरक्षित हो." लेटी ने उसे गले लगाया.

उसने थैली खोली.

थैली में से अठारह अँग्रेज़ी पेनी (सिक्के) उसके हाथ में गिरे.

लेटी ने सिक्कों की ओर देखा.

उसने सोलोमान की ओर देखा.

"मुझे मादा बत्तखों के लिए खेद है,"
लेटी ने कहा.

"हम तुम्हारे लिए नई मादा बत्तखें लाएंगे,"
माँ और पापा ने कहा.

"भले ही यह ब्रिटिश सिक्के हैं,
फिर भी ये भाग्यशाली सिक्के हैं,"
लेटी ने कहा.

"हमारा घर नहीं जला," लेटी ने कहा.

"सोलोमान सुरक्षित है,

और सैनिक अपने घर चले गए हैं."

लेटी अपने परिवार के साथ

घर वापस गई.

उसे बहुत सारा काम करना बाकी था.

और लेटी को वो काम करने में ख़ुशी हुई.

लेखक का नोट

"अठारह सिक्कों की बत्तख" एक सच्ची कहानी पर आधारित है. राइट परिवार, न्यू जर्सी में रहता था, उस क्षेत्र में जो अब ईस्ट ऑरेंज के नाम से जाना जाता है. 1778 के दौरान ब्रिटिश सैनिक कई बार छापे मारने के लिए राइट्स फार्म के आसपास के ग्रामीण इलाकों में घूमे. उन्होंने घरों पर छापे मारे, संपत्ति को नष्ट किया और मवेशी, घोड़े, घास और भोजन चुराकर ले गए.

जब राइट परिवार अपने घर वापिस लौटा, तो उन्हें वास्तव में ब्रिटिश सैनिकों का वो नोट मिला जो कहानी में शामिल है. नर बत्तख के गले में बंधी थैली में अठारह अंग्रेजी पेनी (सिक्के) थीं, जिन पर जॉर्जियस रेक्स, जिसका अर्थ किंग जॉर्ज होता है, शब्द अंकित थे. राइट परिवार के वंशजों के पास 150 से अधिक वर्षों के बाद भी उनमें से ग्यारह सिक्के अभी भी बाकी हैं.

अंत